NEWS CLIPPING: 04.11.2020

THE TRIBUNE

SHORT-TERM COURSE IN PHYSICS

Faridabad: The department of physics of JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, has organised a short-term course on "Synthesis and characterisation of nanomaterials'. As many as 250 participants, including faculties, scientists, industry persons and research scholars from various colleges, universities, research laboratories and industries covering 6 states have attended it. Speaking on the occasion, Vice-Chancellor Prof Dinesh Kumar said the online platform and the short-term courses like these have kept the momentum of learning going. The topic of the course has wide applicability across the fields from medical to energy harvesting.

The Tribune Wed, 04 November 2020
https://epaper.tribune

NEWS CLIPPING: 04.11.2020

PUNJAB KESARI

भगवान राम को सभ्यता के जनक के रूप में स्थापित करने पर होगी चर्चा

■ भारतीय शिक्षण मण्डल द्वारा तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन का आयोजन

फरीदाबाद, 3 नवम्बर (ब्यूरो): भारतीय शिक्षण मण्डल के हरियाणा प्रांत द्वारा रामराज्य की परिकल्पना को साकार करने के उद्देश्य से 'भगवान राम: लोक चेतना के जन नायक, सांस्कृतिक एवं साहित्य का परिप्रेक्ष्य' विषय पर 6 से 8 नवम्बर, 2020 तक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय ई-सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा। भारतीय शिक्षण मण्डल, हरियाणा प्रांत के संरक्षक प्रो. दिनेश कुमार जोकि जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के कुलपति भी है, ने आज यहां जानकारी देते हुए बताया कि इस सम्मेलन का उद्देश्य भगवान श्री राम को भारत के साथ-साथ पूरे विश्व में सभ्यता के जनक के रूप में प्रतिस्थापित करना है क्योंकि श्री राम केवल दक्षिण एशियाई सभ्यता का केंद्र नहीं है, अपितु संपूर्ण दुनिया में उन्हें सर्वाधिक पूजनीय माना जाता हैं। पत्रकार सम्मेलन में भारतीय शिक्षण मंडल के संगठन सचिव सुनील शर्मा, दीनबंधू छोटू राम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर. के. अनायत तथा चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. जितेन्द्र कुमार भी डिजिटल माध्यम से जुड़े। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग भी उपस्थित थे।

पत्रकार सम्मेलन को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार एवं सुनील शर्मा। (छायाः एस शर्मा)

प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि इस सम्मेलन का आयोजन भारतीय शिक्षण मण्डल द्वारा दीनबंधू छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। इस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में श्री राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र, अयोध्या (उत्तर प्रदेश) के कोषाध्यक्ष पूजनीय गोविंददेव गिरि जी महाराज मुख्य अतिथि रहेंगे। इस सत्र में भारतीय शिक्षण मंडल के राष्ट्रीय संगठनिक सचिव श्री मुकुल कानिटकर मुख्य वक्ता होंगे और दीनबंधू छोटू राम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर. के. अनायत विशिष्ट अतिथि रहेंगे। समापन सत्र में गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत मुख्य अतिथि रहेंगे और इस सत्र में भारतीय शिक्षण मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सच्चिदानंद जोशी मुख्य वक्ता रहेंगे।

सम्मेलन के अध्यक्ष एवं चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. जितेन्द्र कुमार ने बताया कि सम्मेलन के दौरान दार्शनिकों, संतों, मनोवैज्ञानिकों, समाजशास्त्रियों, पुरातत्वविदों, विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं द्वारा किया जाने वाला विचार-विमर्श के माध्यम से ऐसे लोगों के मन से अज्ञानता को खत्म करने का प्रयास किया जायेगा जोकि श्री राम को किसी एक सांप्रदायिक के प्रतीक या सांप्रदायिक गतिरोध के रूप में देखते है क्योंकि यह ऐतिहासिक तथ्य है कि श्री राम न केवल भारत में, बल्कि विश्व में सांप्रदायिक सद्भाव के प्रतीक हैं और जन नायक हैं।

भारतीय शिक्षण मंडल के संगठन सचिव सुनील शर्मा ने बताया सम्मेलन के दौरान विभिन्न विषयों पर शोध पत्र भी प्रस्तुत किये जायेंगे, जिनके उपविषयों में सृष्टि नायक राम, राम राज्य की संकल्पना तथा विश्वव्यापी प्रभु राम शामिल हैं। शोध पत्रों के माध्यम से विभिन्न धर्मों, भाषाओं, रीति रिवाजों और लोक कलाओं में श्री राम की अभिव्यक्ति, ऐतिहासिक, राजनैतिक, सामाजिक एवं दार्शनिक संदर्भों तथा अलग-अलग देशों जैसे मलेशिया, इंडोनेशिया, थाईलैंड, नेपाल, बर्मा और कम्बोडिया में श्री राम की मौजूदगी पर चर्चा की जायेगी।

सम्मेलन का संयोजन प्रो. ऋषिपाल, डॉ. जय सिंह तथा डॉ. आर.डी. कौशिक द्वारा किया जा रहा है।

भारतीय शिक्षण मंडल एक स्वयंसेवी संगठन है जो विगत 50 वर्षों से शिक्षा क्षेत्र में उद्देश्यपूर्ण पुनरुत्थान के उद्देश्य के साथ काम कर रहा है। इसका उद्देश्य अभिन्न भारतीय दृष्टि पर आधारित राष्ट्रीय शिक्षा नीति, पाठ्यक्रम, प्रणाली और कार्यप्रणाली को विकसित करना है, जो इसकी शाश्वत लोकाचार में निहित है और देश के समग्र विकास पर केंद्रित है।

पंजाब केसरी ई-पेपर Wed,04 November 2020
Edition: faridabad kesari, Page no. 3

NEWS CLIPPING: 04.11.2020

THE PIONEER

भगवान राम के विभिन्न रूप विषय पर होगी ऑनलाइन चर्चा

भारतीय शिक्षण मंडल द्वारा तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

भारतीय शिक्षण मण्डल के हरियाणा प्रांत द्वारा रामराज्य की परिकल्पना को साकार करने के उद्देश्य से 'भगवान राम: लोक चेतना के जन नायक, सांस्कृतिक एवं साहित्य का परिप्रेक्ष्य' विषय पर 6 से 8 नवम्बर, 2020 तक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा।

भारतीय शिक्षण मण्डल, हरियाणा प्रांत के संरक्षक प्रो. दिनेश कुमार जोकि जेसी बोस विश्वविद्यालय के कुलपति भी है, ने यहां जानकारी देते हुए बताया कि इस सम्मेलन का उद्देश्य भगवान श्रीराम को भारत के साथ-साथ पूरे विश्व में सभ्यता के जनक के रूप में प्रतिस्थापित करना है। क्योंकि श्रीराम केवल दक्षिण एशियाई सभ्यता का केंद्र नहीं है, अपितु संपूर्ण दुनिया में उन्हें सर्वाधिक पूजनीय माना जाता हैं। पत्रकार सम्मेलन में भारतीय शिक्षण मंडल के संगठन सचिव सुनील शर्मा, दीनबंधू छोटू राम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरके अनायत तथा चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. जितेन्द्र कुमार भी डिजिटल माध्यम से जुड़े। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग भी उपस्थित थे।

प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि इस सम्मेलन का आयोजन भारतीय शिक्षण मण्डल द्वारा दीनबंधू छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। इस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र, अयोध्या (उत्तर प्रदेश) के कोषाध्यक्ष पूजनीय गोविंददेव गिरि महाराज मुख्य अतिथि रहेंगे। इस सत्र में भारतीय शिक्षण मंडल के राष्ट्रीय संगठनिक सचिव श्री मुकुल कानिटकर मुख्य वक्ता होंगे और दीनबंधू छोटू राम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरके अनायत विशिष्ट अतिथि रहेंगे। समापन सत्र में गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत मुख्य अतिथि रहेंगे और इस सत्र में भारतीय शिक्षण मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सच्चिदानंद जोशी मुख्य वक्ता रहेंगे।

सम्मेलन के अध्यक्ष एवं चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. जितेन्द्र कुमार ने बताया कि सम्मेलन के दौरान दार्शनिकों, संतों, मनोवैज्ञानिकों, समाजशास्त्रियों, पुरातत्वविदों, विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं द्वारा किया जाने वाला विचार-विमर्श के माध्यम से ऐसे लोगों के मन से अज्ञानता को खत्म करने का प्रयास किया जायेगा जोकि श्री राम को किसी एक सांप्रदायिक के प्रतीक या सांप्रदायिक गतिरोध के रूप में देखते है क्योंकि यह ऐतिहासिक तथ्य है कि श्री राम न केवल भारत में, बल्कि विश्व में सांप्रदायिक सद्भाव के प्रतीक हैं और जन नायक हैं। भारतीय शिक्षण मंडल के संगठन सचिव सुनील शर्मा ने बताया सम्मेलन के दौरान विभिन्न विषयों पर शोध पत्र भी प्रस्तुत किये जायेंगे, जिनके उपविषयों में सृष्टि नायक राम, राम राज्य की संकल्पना तथा विश्वव्यापी प्रभु राम शामिल हैं। शोध पत्रों के माध्यम से विभिन्न धर्मों, भाषाओं, रीति रिवाजों और लोक कलाओं में श्रीराम की अभिव्यक्ति, ऐतिहासिक, राजनैतिक, सामाजिक एवं दार्शनिक संदर्भों तथा अलग-अलग देशों जैसे मलेशिया, इंडोनेशिया, थाईलैंड, नेपाल, बर्मा और कम्बोडिया में श्री राम की मौजूदगी पर चर्चा की जायेगी।